पटेल को हटाने की 'कवायद' अब पड़ सकती है भारी, सरकार नाराज

उज्जैन। लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण यंत्री जीपी पटेल के तबादले को लेकर उठे विवाद में अब कहानी नया मोड़ ले रही है। तबादला कराने के लिए जिस तरह से पूरी कवायद की गई, उसमें शामिल अधिकारियों के लिए ये साजिश परेशानी कारण बनती नजर आ रही है। तबादला आदेश निरस्त होने के बाद अब उस पूरी प्रक्रिया की जांच शुरू हो गई है, जिसके जरिए नोटशीट तैयार कर उच्च स्तर तक भेजी गई और बेहद कम समय में तबादले की पूरी श्रृंखला पूरी कर दी गई।

नवभारत के सूत्रों के अनुसार इस घटनाक्रम को लेकर सरकार से लेकर लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों तक नाराजगी है। खासतौर पर यह सवाल उठ रहा है कि आखिर अधीक्षण यंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर बैठे अधिकारी के तबादले के लिए इतनी जल्दबाजी क्यों दिखाई गई और क्या निर्धारित प्रक्रिया का पूरी तरह पालन किया गया था?

एक दो घंटे में तीन तबादले, डिजिटल सिग्नेचर भी-पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि एक-दो घंटे के भीतर तीन अधिकारियों के तबादले की प्रक्रिया पूरी कर दी गई। पहले जीपी पटेल का तबादला, फिर उनके स्थान पर अवनेन्द्र सिंह की पदस्थापना और इसके बाद अवनेन्द्र सिंह के स्थान पर प्रफुल्ल जैन का तबादला, तीनों आदेशों पर डिजिटल सिग्नेचर तक होने की बात सामने आई है। अब जांच का सबसे अहम बिंदु यही है कि इतनी तेजी की जरूरत क्यों पड़ी? क्या तीनों तबादलों की पूरी तैयारी पहले से थी? यदि नहीं तो इतने कम समय में पूरी प्रक्रिया कैसे पूरी हो गई?

नोटशीट बनी जांच का केंद्र-मामले की जड़ उस नोटशीट को माना जा रहा है, जिसके आधार पर पटेल के तबादले की प्रक्रिया आगे बढ़ी। सूत्रों के अनुसार नोटशीट को उच्च स्तर तक पहुंचाया गया और मुख्यमंत्री कार्यालय से लेकर सचिवालय तथा ईएनसी कार्यालय तक इसकी प्रक्रिया चली।

सिंहस्थ 2028 के बीच उठे सवाल

उज्जैन में सिंहस्थ 2028 के मद्देनजर लोक निर्माण विभाग के माध्यम से बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य चल रहे हैं। ऐसे समय में अधीक्षण यंत्री स्तर के अधिकारी का अचानक तबादला और तत्काल उनके स्थान पर दूसरे अधिकारी की पदस्थापना को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। विभाग में यह चर्चा भी है कि अवनेन्द्र सिंह के पदोन्नति की प्रक्रिया आगे बढ़ने वाली है। ऐसे में यह भी जांच का विषय बन गया है कि कहीं पद और भविष्य की जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए तबादले की कवायद तो नहीं की गई थी।

इनका कहना है

मेरा ट्रांसफर हुआ तो मैं हाई कोर्ट गया जहां से मुझे स्टे के साथ राहत मिली और मैं पहले की तरह महाकाल की नगरी उज्जैन में सेवाएं दे रहा हूं।

जीपी पटेल,
अधीक्षक यंत्री, पीडब्लयूडी

कोर्ट जाने से पलटा पूरा खेल

तबादला आदेश के खिलाफ जीपी पटेल न्यायालय पहुंचे। मामले में अवनेन्द्र सिंह को भी पक्षकार बनाया गया। न्यायालय से पटेल को राहत मिली और तबादला आदेश निरस्त हो गया। न्यायालय की नाराजगी के बाद अब विभागीय स्तर पर भी इस पूरे घटनाक्रम को गंभीरता से लिया जा रहा है। इस पूरे मामले में उज्जैन से भोपाल तक छह अधिकारियों के सामने आ रही है जो जांच में स्पष्ट होगा.

श्री मदनमोहन भवन में गूंजा 'नंद के घर आनंद भयो'

मध्यरात्रि में श्रीकृष्ण महाप्राकट्य, बधाई-कीर्तन और पालना मनोरथ में भावविभोर हुए श्रीवैष्णव

बड़नगर। पुष्टिमार्गीय वल्लभ संप्रदाय के श्री मदनमोहन मांगलिक भवन में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। रोहिणी नक्षत्र के शुभ संयोग में श्री ठाकुरजी का दिव्य शृंगार किया गया। पुष्पों से सुसज्जित हवेली में गोधूलि वेला से ही दर्शन एवं जन्मोत्सव के लिए श्रीवैष्णवजनों का आगमन शुरू हो गया था। जन्मोत्सव के अवसर पर हवेली संगीत एवं बधाई-कीर्तन का आयोजन हुआ। पुरुषोत्तम सोनी, मोहन सेठगुप्ता, मुरली नीमा, कृष्णदास गुप्ता एवं गोविंद अनावड़िया ने माधुर्य भाव से युक्त सुमधुर पद, भजन एवं कीर्तन प्रस्तुत किए। कीर्तन की रसधारा में उपस्थित श्रीवैष्णवजन भावविभोर होकर ठाकुरजी के आनंदोत्सव में सहभागी बने।

मध्यरात्रि में हुआ श्रीकृष्ण महाप्राकट्य

मध्यरात्रि 12 बजे शुभ जन्म नक्षत्र के आगमन के साथ ही श्रीकृष्ण महाप्राकट्य का दिव्य क्षण आया। शंखध्वनि, झालर-मंजीरों एवं मंगल वाद्यों की पावन गूंज के बीच पूरा हवेली परिसर नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयघोष से गूंज उठा। इस अवसर पर हवेली के मुखिया प्रभुलाल शर्मा द्वारा श्री शालिग्राम प्रभु का शास्त्रोक्त विधि-विधान से पंचामृत—दूध, दही, घृत, मधु एवं शर्करा—से अभिषेक कराया गया। इसके बाद गोविंद नीमा ने मंगल बधाई गान प्रस्तुत किया।

एक नजर में

विक्रम विवि की राजनीति शास्त्र प्रोफेसर दीपिका गुप्ता का 37 वर्षों का शैक्षणिक सफर, 42 शोधार्थियों को कराई पीएचडी

उज्जैन। ज्ञान, प्रज्ञा और प्रशासनिक शुचिता की त्रिवेणी प्रोफेसर दीपिका गुप्ता का जीवन अंतरराष्ट्रीय अकादमिक चेतना और मानवीय मूल्यों का अप्रतिम दस्तावेज है। अपने 37 वर्षों के शैक्षणिक कार्यकाल और 42 वर्षों के शोध अनुभव में उन्होंने 42 शोधार्थियों को पीएचडी और सैकड़ों शोधार्थियों को एमफिल की उपाधियां प्राप्त कराई हैं। अगस्त 1989 में विक्रम विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र एवं लोक प्रशासन विभाग में लेक्चरर से अपनी सेवाएं शुरू करने वाली प्रोफेसर गुप्ता ने रीडर, प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष और संकायाध्यक्ष जैसे अहम दायित्व निभाए हैं। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन की राजनीति विज्ञान एवं लोकप्रशासन अध्ययन शाला के सहायक प्राध्यापक डॉ. वीरेन्द्र चावरे ने बताया कि प्रोफेसर गुप्ता का जन्म 28 अगस्त 1961 को गुना में हुआ। उनके पिता डॉ. जानकी वल्लभ भार्गव जीवाजी विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र अध्ययन मंडल के अध्यक्ष रहे और माता कमला भार्गव थीं। वर्ष 2006 में अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा नेशनल सिक्योरिटी के वैश्विक कार्यक्रम हेतु उनका चयन हुआ, जहां उन्होंने 118 देशों के अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल में भारत का प्रतिनिधित्व किया। 2007 में वे प्रोफेसर बनीं। उनकी दो उत्कृष्ट पुस्तकें और सैकड़ों शोध-पत्र राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं, साथ ही वर्ष 1996 में आकाशवाणी इंदौर से उनका विशेष रेडियो टॉक कार्यक्रम भी प्रसारित हुआ था। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन की राजनीति विज्ञान एवं लोकप्रशासन अध्ययन शाला के सहायक प्राध्यापक डॉ वीरेन्द्र चावरे ने बताया कि सैकड़ों विद्यार्थियों के जीवन को तराशने वाली प्रोफेसर दीपिका गुप्ता का जीवन वृत्त निष्ठा, स्वाभिमान और विद्वता का प्रकाशपुंज है।

तेली साहू महासंगठन का राष्ट्रीय अधिवेशन आज

उज्जैन। राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन दिल्ली के तत्वावधान में रविवार 6 सितंबर को माधव सेवा न्यास स्थित श्री महाकालेश्वर भक्त निवास में राष्ट्रीय अधिवेशन एवं वार्षिक समारोह आयोजित किया जाएगा। भारत माता मंदिर के पास होने वाले इस आयोजन में केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। अधिवेशन का मुख्य उद्देश्य समाज को एकजुट करना, संगठन को मजबूत करना और रचनात्मक गतिविधियों को गति देना है। अधिवेशन में विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा, महापौर मुकेश टटवाल, समाजसेवी नारायण यादव, छत्तीसगढ़ गृह भंडार समिति के पूर्व अध्यक्ष चंदूलाल साहू, धनबाद सांसद ढुलू महतो, छत्तीसगढ़ तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू, विधायक जयकिशन साहू, विधायक रामनिवास शाह, पूर्व विधायक अम्बा प्रसाद, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार और प्रदेश प्रशिक्षण प्रभारी नीलेश कौशल उपस्थित रहेंगे। महासंगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुरारी एच. गुप्ता के मार्गदर्शन में आगामी कार्ययोजनाओं पर मंथन किया जाएगा। इस दौरान युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक साहू, मंजू साहू, अशोक राठौर, किशोर कुमार साहू, विजय साहू, अशोक साहू, रवि साहू की अहम भूमिका रहेगी।

सुबह 8 बजे से शुरू होगा कार्यक्रमों का सिलसिला-अधिवेशन की शुरुआत सुबह 8 बजे पंजीयन और नाश्ते के साथ होगी। सुबह 9 बजे दीप प्रज्जवलन व मां कर्मा की आरती, 9 .30 बजे अध्यक्ष का चयन, 9 .40 बजे अतिथि परिचय तथा 10 बजे स्वागत उद्बोधन होगा। प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुति के बाद 10 .20 बजे राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक और दोपहर 2 बजे आगामी संगठनात्मक योजनाओं पर चर्चा होगी। शाम 4 बजे प्रदेश अध्यक्ष का उद्बोधन, 4 .30 बजे अतिथियों व पदाधिकारियों का सम्मान, 5 .30 बजे सभापति का उद्बोधन तथा 6 बजे आभार ज्ञापन होगा। समापन शाम 7 बजे होगा।

बारिश में भी बालिकाओं ने किया उत्कृष्ट शस्त्र प्रदर्शन

उज्जैन। जन्माष्टमी पर्व पर छोटा गोपाल मंदिर से यादव परिवार द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान नारी शक्ति बाल शारदा व्यायामशाला समिति की बालिकाओं ने तेज बारिश के बीच भी अपना उत्कृष्ट शस्त्र प्रदर्शन किया और लगातार तीसरे वर्ष प्रथम स्थान प्राप्त कर परचम लहराया।

पूजा बिटिया के नेतृत्व में अखाड़े की ढाई से तीन साल तक की नन्ही बालिकाओं ने सनातन धर्म की वेशभूषा में साड़ी पहनकर लाठी और तलवारबाजी का हैरतअंगेज प्रदर्शन किया। इस दौरान बालिकाओं ने झांझ और ढोल भी बजाए। पूजा बिटिया कई वर्षों से लड़कियों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से शस्त्र विद्या के साथ-साथ सांस्कृतिक शिक्षा भी दे रही हैं।

नारी शक्ति बाल शारदा व्यायामशाला समिति का यह अखाड़ा उज्जैन के अलावा रतलाम, राजस्थान के बूंदी, जोधपुर, भीलवाड़ा, देवास, इंदौर, तराना, पचोर, खाचरौद, मथुरा, वृंदावन, अयोध्या और सीहोर सहित कई शहरों में अपने शस्त्र कौशल का प्रदर्शन कर चुका है। बालिकाओं के इस साहसिक प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म का संदेश देना है। कार्यक्रम में कलावती यादव, नारायण यादव और दयालू दादा ने बालिकाओं का उत्साहवर्धन करते हुए अपना आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने कहा कि पूजा बिटिया और उनकी टीम की बालिकाएं सनातन धर्म के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं। पूरे कार्यक्रम का आभार नारायण दादा, दयालू दादा और यादव मित्र मंडली ने व्यक्त किया।

श्याम बाबोसा मंदिर में जन्माष्टमी पर काठा बंधु के भजनों से सजी कीर्तन की रात

नागदा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर गवर्नमेंट कॉलोनी स्थित श्री श्याम बाबोसा मंदिर में गुरुवार रात भक्ति, संगीत और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। जन्माष्टमी महोत्सव के तहत आयोजित भव्य भजन-संध्या में देर रात तक श्रद्धालु बाबा श्याम और श्रीकृष्ण की भक्ति में सराबोर होकर झूमते रहे। मध्यरात्रि में श्रीकृष्ण जन्म के साथ ही मंदिर परिसर जयकारों से गूंज उठा। जन्माष्टमी को लेकर मंदिर को आकर्षक रूप से सजाया गया था। बाबा श्याम का पीले फूलों से मनोहारी श्रृंगार किया गया।

मध्य प्रदेश शासन के 55 जिलों में 111 स्थान पर सांस्कृतिक धार्मिक आयोजन किए गए जिसमें घर-घर गोकुल घर-घर गोपाल अभियान के अंतर्गत श्री खाटू श्याम मंदिर नागदा में साज, सज्जा, श्रृंगार और भक्ति परक

आयोजन किया गया। रात्रि 9 बजे शुरू हुई भजन एवं संगीत संध्या में काठा बंधु कलाकार नागेश्वर काठा एवं कमलेश काठा ने अपनी प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा कि श्रद्धालु देर रात तक भक्ति में डूबे रहे। बाबा श्याम और श्रीकृष्ण के भजनों पर श्रद्धालुओं ने तालियों के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कई श्रद्धालु भजनों की धुन पर नृत्य करते और गरबा खेलते नजर आए। मंदिर परिसर में चारों ओर भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा।

आयोजन के दौरान विधि-विधान से खाटू श्याम जी की ज्योत प्रज्ज्वलित की गई। बड़ी संख्या में श्याम भक्तों ने ज्योत के दर्शन कर पूजा-अर्चना की।

12 बजते ही गूंजे कृष्ण जन्म के जयकारे

जन्माष्टमी महोत्सव का सबसे विशेष क्षण मध्यरात्रि में आया। रात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के साथ ही मंदिर परिसर श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने उत्साह और उमंग के साथ जन्मोत्सव की खुशियां मनाकर बधाई दी। इसके पश्चात महाआरती हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर आरती का लाभ लिया। महाआरती के बाद सभी श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई। मंदिर समिति के पंडित हनुमान प्रसाद शर्मा ने बताया कि जन्माष्टमी महोत्सव में बड़ी संख्या में श्याम भक्त एवं धर्मप्रेमी शामिल हुए।

जनसमस्याएं उठाने युवा कांग्रेस ने बनाई रणनीति

उज्जैन। जिला कांग्रेस कार्यालय में जिला युवा कांग्रेस की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी छात्रों की गूंज कार्यस्र5म को लेकर रणनीति बनी और इसके लिए रजिस्ट्रेशन की शुरुआत की गई। जिला अध्यक्ष अर्पित यादव के नेतृत्व में हुई इस बैठक में संगठन को मजबूत करने और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष तेज करने का संकल्प लिया गया। बैठक में मुख्य रूप से मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस प्रभारी शिवि सिंह चौहान, मुकेश भाटी, चंद्रभान सिंह चंदेल, ऋतुराज सिंह चौहान, मुकेश यादव और बेटर सिटीज अभियान के प्रभारी दुष्यंत शर्मा उपस्थित रहे।

गौ सेवा के महत्व के साथ कृष्ण लीलाओं का वर्णन

घट्टिया। हमारे द्वारा वर्तमान में गौ संवर्धन गौ सेवा और पर्यावरण सुरक्षित होगा तभी हमारी गोवर्धन पूजा सार्थक होगी। उक्त उद्गार कथा व्यास स्वामी रंगनाथाचार्य महाराज ने लवखेड़ी हनुमान धाम पर आयोजित श्रीमद् भागवत में पांचवें दिवस शनिवार को भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन सुनाते हुए कही। साथ ही महाराज ने कहा कि भगवान कृष्ण की बाल लीलाएं व गोवर्धन पर्वत की कथा हमे अहंकार का त्याग

करना सिखाती है। आरती कर प्रसाद वितरण किया गया। जानकारी सुदर्शन शास्त्री ने दी।

औदिच्य ब्राह्मण धर्मशाला में जन्माष्टमी पर श्री राधा-कृष्ण की प्राण-प्रतिष्ठा

नागदा। जन्माष्टमी के पावन अवसर पर प्रकाश नगर स्थित श्री सहस्त्र औदिच्य ब्राह्मण समाज धर्मशाला परिसर में श्री राधा-कृष्ण मंदिर में चल रहे तीन दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का शुक्रवार को विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ समापन हुआ। दोपहर 12 बजे शुभ मुहूर्त में श्री राधा-कृष्ण की नवीन देव प्रतिमा की विधिवत स्थापना एवं प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न कराई गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। पं. चंद्रशेखर दवे के आचार्यत्व में आयोजित प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में तीन दिनों तक विभिन्न वैदिक एवं

धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। मुख्य यजमान पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक श्री रामचंद्र त्रिवेदी, श्री जितेंद्र त्रिवेदी परिवार रहे।

मुख्य यजमान सहित समाजजनों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ में आहुतियां अर्पित कीं। हवन की पूर्णाहुति के साथ तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ।

तृतीय दिवस विशेष पूजन-अभिषेक के बाद हुई प्राण-प्रतिष्ठा

समारोह के तृतीय दिवस शुक्रवार को प्रात :काल श्री राधा-कृष्ण की देव प्रतिमाओं का विधिवत जलाभिषेक कराया गया। इसके पश्चात पत्र-पुष्प, फल एवं मिष्ठान्न से आच्छादन कर भगवान का आकर्षक श्रृंगार किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विभिन्न पूजन विधियां संपन्न कराते हुए प्राण-प्रतिष्ठा के मुख्य अनुष्ठान, हवन किया।

113 दिव्यांगों का नि :शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

उज्जैन। समर्थ सेवा संस्था द्वारा 16 सितंबर को 113 दिव्यांगों और 110 संस्था सदस्यों को सात दिवसीय नि:शुल्क हरिद्वार एवं बद्री विशाल यात्रा पर ले जाया जाएगा। यात्रा से पूर्व इन यात्रियों के लिए सामाजिक न्याय परिसर स्थित संस्था कार्यालय पर 79वां नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया गया। भारत विकास परिषद विक्रमादित्य, लोटस हॉस्पिटल और वेदा हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में 113 दिव्यांगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें दवाइयां भी वितरित की गईं।

संस्था संरक्षक भगवान शर्मा और संजीव आचार्य ने बताया कि शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की बीपी, शुगर और फिटनेस की जांच कर परामर्श दिया। बद्री विशाल यात्रा में जांच के लिए अनिवार्य फिटनेस प्रमाण पत्र भी बनाए गए। वहीं, वेदा हॉस्पिटल के सहयोग से संजय जेठवा ने अत्याधुनिक तकनीक से आंखों की जांच की।

मुख्य अतिथि के रूप में वेदा हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. संजय गोकुलदास, जिला चिकित्सालय के डॉ. जितेंद्र शर्मा, न्यूरो सर्जन डॉ. हर्ष जोशी, लोटस हॉस्पिटल के डायरेक्टर अमित पटेल व डॉ. प्रवीण पण्ड्या तथा अवंतिका

संस्कार परिवार के अध्यक्ष सतीश पटेल उपस्थित थे। अध्यक्षता पर्यावरणविद श्याम माहेश्वरी ने की।शिविर संयोजक डॉ. सीपी पाटीदार, डॉ. सुनील शर्मा, दीपक राजवानी एवं अनिरुद्ध नाहर के मार्गदर्शन में हुए इस सफल आयोजन में समर्थ सेवा संस्था और सशक्त समर्थ विकलांग सेवा शिक्षा एवं प्रशिक्षण समिति की अहम भूमिका रही। इस अवसर पर भाविप विक्रमादित्य के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत पाटीदार, सचिव डॉ. विशाल पाटीदार, डॉ. करण पण्ड्या, समर्थ सेवा संस्था के अध्यक्ष विट्ठल नागर, सचिव आनंद पुरोहित, सरोज अग्रवाल, ओमप्रकाश पाटीदार, विशाल नीमा, नवल माहेश्वरी, व दिव्यांग बंधु उपस्थित थे।

शिक्षक केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाता वह जीवन गढ़ता है

खाचरौद। शिक्षक दिवस के अवसर पर शासकीय सांदीपनि विद्यालय खाचरौद में विकासखंड स्तरीय उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन क्षेत्रीय विधायक डॉ. तेजबहादुरसिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में पूरे वर्षभर शैक्षणिक, सामाजिक एवं नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विकासखंड के शिक्षक-शिक्षिकाओं को शॉल-श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मा सरस्वती एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

डॉ. तेजबहादुरसिंह चौहान ने कहा-शिक्षक केवल पाठ्यक्रम नहीं

पढ़ाता, वह जीवन गढ़ता है। एक शिक्षक के तप से ही डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक और जनप्रतिनिधि बनते हैं। शिक्षक ही राष्ट्र का वास्तविक निर्माता है। हमारी सरकार शिक्षकों के सम्मान और शिक्षा की गुणवत्ता के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर नपा उपाध्यक्ष दिनेश ठन्ना, पार्षद दशरथ वाकतारिया, पार्षद प्रतिनिधि राजेन्द्र धाकड़ ने भी अपने विचार व्यक्त किए और सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक द्वारा किया गया एवं अंत में आभार शासकीय सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य जुझारसिंह ने माना।

गोगा नवमी पर नागरिकों ने उठाई झाड़ू

उज्जैन। गोगा नवमी के पावन पर्व पर सफाई मित्रों के अवकाश के चलते नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा की पहल पर शनिवार को शहरवासियों ने स्वयं स्वच्छता का जिम्मा उठाया। जनभागीदारी आधारित हम उतरे मैदान में अभियान के तहत आम नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न समितियों ने कोठी लाइन व दमदमा क्षेत्र में झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। इस दौरान रहवासियों को कचरा निर्धारित स्थान पर डालने और अपने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने के लिए जागरूक भी किया गया। पार्षद सुलेखा वशिष्ठ, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र वशिष्ठ और स्मार्ट सिटी सीईओ संदीप शिवा की उपस्थिति में शनिवार सुबह 9 बजे कोठी लाइन बस्ती में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमें राम सेवा समिति के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अभियान में समिति अध्यक्ष कृष्णराव चुनेकर, उपाध्यक्ष लक्की गरवां, रोहित मिश्रा, अर्पित संगत, तनिष्क धांगड़े, कबीलराव धांगड़े, प्रेम नारायण चौधरी, भीम सिंह पंवार, विजय पारेगी, विजय थिरोदा, अंकित बघेल, प्रेम थिरोदा, मनीष सारवान, भगवान सिंह माल और जगदीश यादव ने क्षेत्र को स्वच्छ करने में अपनी सहभागिता निभाई।

एक नजर में

सामाजिक समरसता मंच के तत्वावधान में होगा कल 251 मीटर चुनरी से सजेगा चंबल तट

7 सितंबर को निकलेगी 18 वीं पारंपरिक चुनरी यात्रा

नागदा। मां चंबल के प्रति कृतज्ञता और नगर की सुख-समृद्धि की मंगलकामना को लेकर सामाजिक समरसता मंच के तत्वावधान में 18वीं पारंपरिक चुनरी यात्रा 7 सितंबर, सोमवार को निकाली जाएगी। यात्रा में 251 मीटर लंबी चुनरी मां चंबल को अर्पित की जाएगी। साथ ही उत्तम वर्षा, किसानों की खुशहाली, पर्याप्त जल, व्यापार-व्यवसाय की उन्नति, स्वास्थ्य, औद्योगिक विकास एवं नगर की सुख-समृद्धि की मंगलकामना की जाएगी।

यात्रा का शुभारंभ दोपहर 1.30 बजे विश्वकर्मा मंदिर पर भगवान शिव के जलाभिषेक एवं महाआरती के साथ होगा। इसके बाद श्रद्धालु भजन, ढोल एवं बैंड की धुन के बीच अनुशासित रूप से दो-दो की कतार

में चंबल तट की ओर रवाना होंगे। यात्रा जवाहर मार्ग, महात्मा गांधी मार्ग एवं चंबल मार्ग से होते हुए चंबल तट पहुंचेगी। यहां विधि-विधान से मां चंबल का 11 लीटर दूध से अभिषेक कर 251 मीटर लंबी चुनरी अर्पित की जाएगी।

लाल-केसरिया परिधान में मातृशक्ति, श्वेत वस्त्रों में पुरुष यात्रा में मातृशक्ति की विशेष सहभागिता रहेगी। महिलाएं एवं बालिकाएं लाल-केसरिया परिधान में तथा पुरुष श्वेत वस्त्रों में शामिल होंगे। यात्रा को अनुशासित एवं आकर्षक स्वरूप देने के लिए श्रद्धालु दो-दो की कतार में चलेंगे। यात्रा मार्ग के रहवासियों एवं व्यापारियों से घरों एवं प्रतिष्ठानों के बाहर आरती एवं पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत करने का आग्रह किया गया है।

18 वर्षों से चली आ रही कृतज्ञता की परंपरा

सामाजिक समरसता मंच द्वारा मां चंबल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से 18 वर्ष पूर्व चुनरी यात्रा की परंपरा शुरू हुई थी। चंबल नागदा की जीवनदायिनी है। इसके जल से नगर का औद्योगिक एवं व्यापारिक विकास होने के साथ आसपास का कृषि क्षेत्र भी समृद्ध होता है। इसी भावना के साथ प्रतिवर्ष मां चंबल को चुनरी अर्पित कर उत्तम वर्षा, पर्याप्त जल, कृषि समृद्धि एवं नगर के सर्वांगीण विकास की प्रार्थना की जाती है। इस वर्ष 251 मीटर लंबी चुनरी अशोक शर्मा एवं उनके परिवार की ओर से भेंट की जाएगी।